कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, भोजपुर, आरा,

(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)

bhojpurkvk@gmail.com

09431091369

मौसम आधारित कृषि परामर्श

भोजपुर जिले के मौसम का पूर्वानुमान

मौसम कारक	17-02-2024	18-02-2024	19-02-2024	20-02-2024	21-02-2024
वर्षा (मि.मी.)	0.0	0.0	0.0	0.0	5.0
अधिकतम तापमान (से.)	26.0	26.0	25.0	26.0	26.0
न्यूनतम तापमान (से.)	13.0	13.0	14.0	14.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	75	75	75	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	35	30	30
हवा की गति (कि.मी. प्रति घंटा)	6	6	5	5	5
पवन दिशा (डिग्री)	270	260	100	110	120
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	2	2	2	8

मौसम सारांश / चेतावनी :

- आगामी चार दिनों के दौरान आसमान में आंधिक बादल छाये रहेंगे एवं 21 फरवरी 2024 को भोजपुर जिले में हल्की बारिश हो सकती है।
- 17 फरवरी 2024 की सुबह में घना कोहरा छा सकता है।
- न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता लगभग 35–40 प्रतिशत और अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता लगभग 80–85 प्रतिशत होने की संभावना है।
- न्यूनतम तापमान लगभग 13–14 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 26–27 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है।
- 5–6 कि.मी./घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चल सकती है।

सामान्य सलाह :

सभी सब्जियों तथा सरसों की फसल में चेपा के आक्रमण की निगरानी करें। बचाव के लिए डाईमेथोएट 30ई0सी0 दवा का 1.0 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।

लघु संदेश सलाह :

सभी सब्जियों तथा सरसों की फसल में चेपा के आक्रमण की निगरानी करें।

फसल विशिष्ट सलाह :

गन्ना	गन्ने की कटाई जारी रखनी चाहिए। गन्ने की खूँटी (पेड़ी) फसल में निकाई–गुड़ाई कर नत्रजन खाद की दूसरी किस्त (40 कि0ग्रा0 प्रति हे0) दे देना चाहिए एवं सिंचाई करना चाहिए

बागवानी विशिष्ट सलाह :

आलू	आलू के अगात एवं मघ्य अगात प्रभेद की खुदाई करें। बीज के लिए एवं भंडारण हेतु रखने वाले फसल में खुदाई से 15 दिनों पूर्व सिंचाई बन्द कर दें तथा फसल की उपरी लत्तर को काट दें।
मटर	मटर में फली छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू फलियों में जालीनूमा आवरण बनाकर उसके निचे फलियों में प्रवेश कर अन्दर ही अन्दर मटर के दानों को खाती रहती है। एक पिल्लू एक से अधिक फलियों को नष्ट करता है। अक्रान्त फलियॉ खाने योग्य नहीं रह जाती, जिससे उपज में अत्यधिक कमी आती है। कीट प्रबन्धन हेतु प्रकाश फंदा का उपयोग करें। 15–20 टी आकार का पंछी प्रति हेक्टर लगायें। अधिक नुकसान होने पर क्वीनालफास 20 ई0सी0 या नोवाल्युरान 10 ई0सी0 का 1 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें।
लहसुन	लहसुन एवं अगात बोयी गई प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट का प्रकोप अधिक आने की संभावना होती है। थ्रिप्स कीट की निगरानी करें। थ्रीप्स कीटों की संख्या अधिक दिखने पर प्रोफेनोफॉस 50 ई0सी0 दवा का 1.2 मि0ली0 प्रति लीटर प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का 1.0 मी0ली0 प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें। अच्छे परिणाम हेतु चिपकाने वाला पदार्थ जैसे टीपोल 1.0 मी0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल में मिलायें।

अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह :

भूमि की तैयारी	गरमा मौसम की सब्जियों की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पुरे खेत में अच्छी प्रकार बिखेरकर मिला दें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस 20 ई0सी0 दवा का 2 लीटर प्रति एकड़ की दर से 20–30 किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें।